गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण ने पकड़ी रफ्तार, 14% मिट्टी का कार्य पूर्ण

यूपीडा बोर्ड बैठक

- बैठक में गंगा व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को लेकर लिए गए अहम निर्णय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : योगी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। गंगा एक्सप्रेसवे के लिए अब तक 86 प्रतिशत से अधिक सी एंड जी (क्लीयरिंग एंड ग्रबिंग) का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहीं 14 प्रतिशत से अधिक मिट्टी से जुड़ा कार्य भी पूरा किया जा चुका है। मंगलवार को यूपीडा बोर्ड की 80वीं बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरविंद कुमार ने यह जानकारी साझा की। बता दें कि मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाला 594 किमी लंबा गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे होगा। बोर्ड ने गंगा एक्सप्रेसवे के साथ ही बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से जुड़े अहम प्रस्तावों को भी सहमति प्रदान की।

बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे के लिए सेफ्टी कंसल्टेंट की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त किया गया। वहीं, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के लिए कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। टायलेट ब्लाक्स के साथ फूड कियोक्स एजेंसी के चयन लिए निविदा आमंत्रित किए जाने से संबंधित प्रस्ताव को यूपीडा निदेशक मंडल ने अनुमति प्रदान की। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) उपलब्ध कराने एवं उसके इंस्टालेशन के साथ टोल प्लाजा के संचालन की प्रक्रिया को भी बोर्ड की बैठक में आगे बढ़ाया गया। परामर्शी के चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए निदेशक मंडल से अनुमति प्राप्त की गई।